Ans. (d) : अलाउद्दीन के समय में जोधपुर का शासक वीरम देव नही था अलाउद्दीन के समय जोधपुर रियासत नहीं थी। जोधपुर नगर की स्थापना रणमल का पुत्र जोधा ने 1459 में की थी। वीरमदेव जालौर का शासक था।

326. जालौर में अलाउद्दीन का समकालीन शासक कौन था?

(a) शीतल देव (b) कान्हड़ देव
(c) महलक देव (d) वीसल देव

सेकेण्ड ग्रेड-संस्कृत शिक्षा-17-02-2019

Ans. (b) : जालौर में अलाउद्दीन का समकालीन शासक कान्हड़देव था। जालौर शासक कान्हड़देव एवं अलाउद्दीन के मध्य 1311 ईस्वी में युद्ध हुआ। जिसमें कान्हड़देव पराजित हो गया और जालौर पर अलाउद्दीन का अधिकार हो गया। जालौर के शासक कान्हड़देव एवं अलाउद्दीन खिलजी के मध्य युद्ध की जानकारी 'कान्हड़देव प्रबंध' से मिलती है।

327. जालौर के शासक एवं अलाउद्दीन खिलजी के मध्य संघर्ष की जानकारी निम्न में से किस ग्रन्थ से प्राप्त होती है?

(a) पद्मावत (b) दलपतविलास
(c) कान्हड़देव प्रबंध (d) हमीर हठ

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

328. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक चौहानों के इतिहास के बारे में जानकारी का स्त्रोत नहीं है?

(a) सुर्जन चरित्र (b) हम्मीर महाकाव्य
(c) पृथ्वीराज विजय (d) हर्ष चरित

RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (d) : बाणभट्ट द्वारा संस्कृत में लिखी गयी हर्षहरित पहली ऐतिहासिक जीवनी, सातवीं शताब्दी के सम्राट हर्ष के जीवन से सम्बन्धित है, जबकि अन्य तीनों पुस्तकें चौहान वंश के इतिहास का वर्णन करती है।

329. निम्नांकित में से कौन-सा कथन शाकम्भरी के चौहानों के विषय में असत्य है?

(a) आरम्भ में वे प्रतिहारों के सामन्त थे।
(b) गुवुक उनका प्रथम स्वतंत्र शासक माना जाता है।
(c) अजमेर नगर का संस्थापक अजयसिंह था।
(d) पृथ्वी राज तृतीय इस वंश के महानतम शासकों में से एक था।

RPSC-2011

Ans. (c) : शाकम्भरी के चौहानों के विषय में महत्वपूर्ण तथ्य 1. चौहान प्रतिहार शासकों के सामन्त थे, 10वीं शताब्दी के प्रारम्भ में वाक्पतिराज प्रथम ने प्रतिहारों से अपने को स्वतंत्र कर लिया।

2. चौहान वंशीय शासक गुवुक/गूवक प्रथम स्वतंत्र शासक माना जाता है।

3. अजमेर नगर की स्थापना 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज प्रथम का पुत्र अजयराज/अर्णोराज ने किया तथा अपनी राजधानी बनायी।

4. पृथ्वीराज तृतीय (1177-1192ई.)चौहान वंश का महानतम शासक था। पृथ्वीराज तृतीय को ''रायपिथौरा'' भी कहा जाता है। पृथ्वीराज तृतीय के द्वारा लड़ा गया तराईन का प्रथम एवं द्वितीय युद्ध सर्वाधिक प्रसिद्ध है।

330. चौहान वंश के संस्थापक सहसामल की राजधानी क्या थी?

(a) चन्द्रावती (b) अचलगढ़
(c) सिरोही (d) शिवगंज

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (c) : शिवभान के पुत्र सहसमल/सहसामल ने 1425 ई. में सिरोही को बसाकर उसे अपनी राजधानी बनाया। सहसामल के समय राणा कुम्भा ने आबू बसंतगढ़ तथा सिरोही के पूर्वी भाग पर अधिकार कर लिया तथा विजय के उपलक्ष्य में अचलगढ़ दुर्ग व कुम्भश्याम मंदिर का निर्माण करवाया।

331. हमीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है-

(a) चन्द्रवंशी (b) ब्राह्मण
(c) यदुवंशी (d) सूर्यवंशी

उत्तर : (d)

व्याख्या-हमीरमहा काव्य की रचना नयचन्द्र सूरी ने की थी। इसमें चौहान राजाओं को सूर्यवंशी क्षत्रिय बताया गया है। चन्द्रबरदाई ने अपने पृथ्वीराज रासो ग्रंथ में अग्निवंशीय बतलाया है।

332. 'नाडौल' में किस राजपूत-वंश का शासन था?

(a) चौहान (b) परमार
(c) प्रतिहार (d) देवड़ा

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (a) : नाडौल' में चौहान वंश का शासन था। लक्ष्मणदेव चौहान ने नाडौल में चौहान वंश की शाखा की नींव रखी था। यह चौहानों की प्राचीन शाखा है। नाडोल वर्तमान में पाली जिले (राजस्थान) में आता है। लक्ष्मणदेव ने नाडोल दुर्ग का निर्माण करवाया था।

(e) जैसलमेर का भाटी राजवंश

333. जैसलमेर के भाटी राजवंश की कुलदेवी कौन हैं?

(a) लटियाल माता (b) तनोटिया माता
(c) आवरी माता (d) स्वांगिया माता

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (d) : जैसलमेर के भाटी राजवंश की कुलदेवी स्वांगिया/संगियाजी माता है।

- जयपुर के कछवाहा राजवंश - जमुवाय माता
- जोधपुर के राठौड़ राजवंश - नागणेची माता
- बीकानेर के राठौड़ राजवंश - करणी माता
- शेखावती क्षेत्र की प्रमुख देवी - जीणमाता

(f) गुर्जर-प्रतिहार वंश

334. आभानेरी तथा राजौरगढ़ के कलात्मक वैभव किस काल से सम्बन्धित हैं?

(a) गुर्जर - प्रतिहार (b) चौहान
(c) गुहिल - सिसोदिया (d) राठौड़

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (a) : गुर्जर-प्रतिहार वंश का संस्थापक हरिश्चन्द्र था। नागभट्ट प्रथम वास्तविक महत्वपूर्ण शासक था। आभानेरी एवं राजौरगढ़ के कलात्मक वैभव गुर्जर प्रतिहार काल में विकसित हुए। मिहिरभोज इस वंश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासक था। उसने विष्णु के सम्मान में आदिवराह एवं प्रभात जैसी उपाधि धारण की।